

पाठ-1 चिड़िया और-पुतंगुम- (कविता) -हरिवंशराय बच्चन

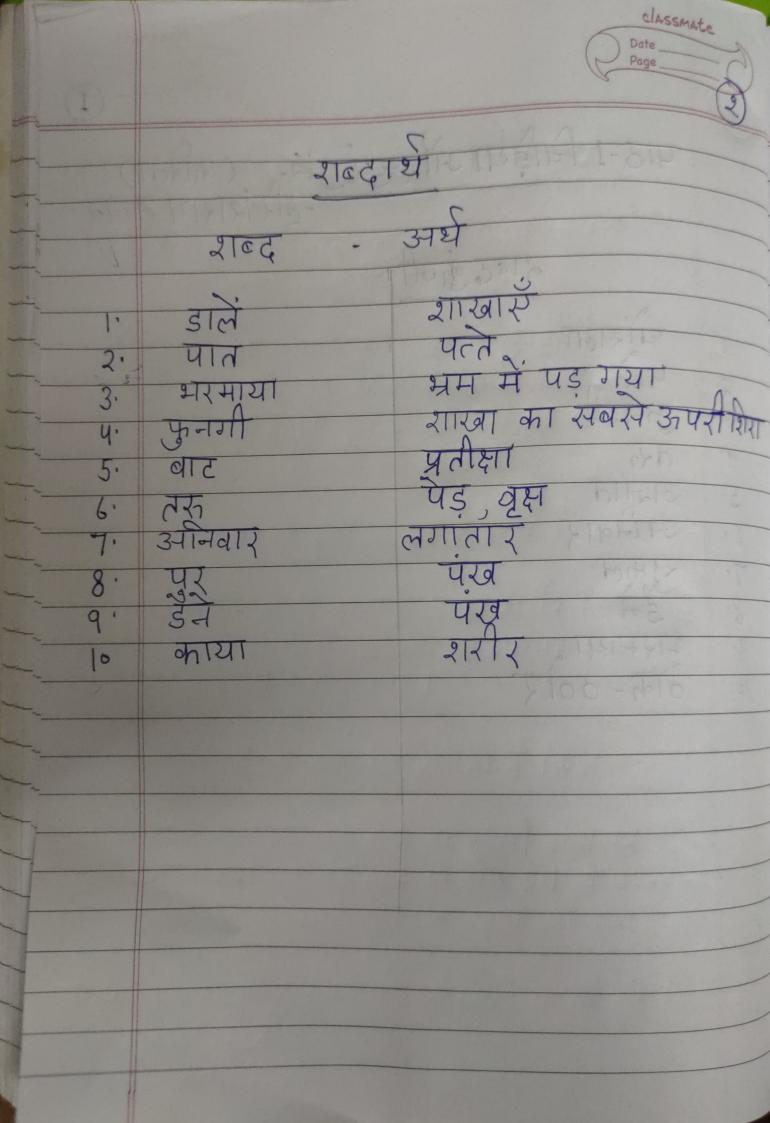
बाद्द कुंजी

घोसला पत्ते फुनगी तस

अज्ञात अनीवार

स्मल

भरमाया र

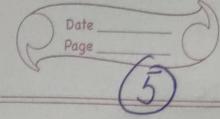


## लघु प्रक्रोत्तर

- प्रगा चुरंगुन ने घोरमले से निकलकर क्यादेखा,
- उ॰ चुरंगुन ने घोंसले से निकलकर शाखारू, पत्ते, कालियाँ देखे। उसने पत्तों को आपस्य में हिलामलकर बातें करते सुना।
- प्र02 चुकंगन बार-बार मों से क्या सुनना चाहताहै?
- उ० चुरंगन बार-बार माँ से सुनना चाहता है कि मुझे कव
- 'प्र. 3 चुरंगन को कीन कहता है कि उड़ आ उड़ता आ ? 30 चुरंगन का मन उससे कहता है कि उड़ आ, उड़ता आ।
- प्रण्य चुरंगन के साधी उसकी बाट कयों देख रहे हैं?
- उठ चुरंगन के साधी कच्चे-पक्के फल खाने और गाने के

## विचारात्मक प्रश्नोत्तर

- प्रा विस्ति चुरंगन ते भरमाया कहने से कार्व
- कार्व का तात्पर्य है कि अभी तुम्हारी अवस्था होती है तुम्हारा शरीर कमजोर है और पंख इतने मजबूत नहीं हर है कि तुम आकार्य में उड़ सकी तिम बच्चे हो, और श्रम पाले हर हो।
- प्र. 2 चिड़िया को क्यों लगता है बच्चे को उड़ना नहीं आता
- उ॰ चुंकगन उनभी होटा है उसका शरीर कमजोर है, पंख होटे हैं इसिल्स चिडिया को लगता है कि बच्चे को अभी उड़ना नहीं आया।
- प्र. 3 चुरंगन को कब-कब लगता है कि उसे उड़ना आगर्ष
- उन् ज्व चुरंगान रुक डाल से दूसरी डाल पर उड़कर जाती है, धरती पर पड़ दाने को ही क ढंग से परख करलाती तब उसे लगता है कि उसे उड़ना आ गया है।
- प्र. प इधर-उधर घूमने पर भी चिड़िया में को भरोसाक्यों



उन् चुंकगन के इधर-उधर घूमने पर भी मां को उसकी हाटी उम् कमजोर एवं दुर्वल पंख के कारण मरीस्म र

प्र.5 दुम्हें कविता का कोई शीर्षक देना हो तो क्या शीर्षक देना चाहोंगे? उपयुक्त शीर्षक खोचकर लिखी।

उ० हम धमां की ममतां शीर्षक देना चाहेंगे, क्योंकि मां ही अपने बच्चे के विकास व उसकी स्पमलता के लिए प्रयत्नशील रहती है।

प्रि चिड़िया को कव लगता है कि चुरंगन के मन में आकाश में उड़ने की इच्हा जाग गई है?

उड़ने की बात कहता है तब चिड़िया को लगता है। बच्चे के मन में उड़ने की तीब्र इच्हा जागराई है।